हंसध्वनि

पवन हंस लिमिटेड की राजभाषा ई-पत्रिका

हमारी दृष्टि:

"यात्रियों को विश्व श्रेणी की संरक्षित, सुरक्षित, संधारणीय, वहनीय विमानन सेवाओं के अवसर प्रदान करना।"

हमारा ध्येय:

"हैलीकॉप्टर तथा सी-प्लेन सेवाओं में बाजार के नेतृत्व की प्राप्ति, फिक्स्ड विंग्स वाले छोटे विमानों से क्षेत्रीय वायु सम्पर्कता उपलब्ध करवाना तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मरम्मत एवं ओवरहॉल की सेवाएं उपलब्ध करवाना।"

राजभाषा सुविचार

समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक हो तो वह देवनागरी ही हो सकती है।"
- (जस्टिस) कृष्णस्वामी अय्यर।

"विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र के राजकाज और शिक्षा की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है।"
- वाल्टर चेनिंग।

"इस विशाल प्रदेश के हर भाग में शिक्षित-अशिक्षित, नागरिक और ग्रामीण सभी हिंदी को समझते हैं।"
- राहुल सांकृत्यायन।

"समस्त आर्यावर्त या ठेठ हिंदुस्तान की राष्ट्र तथा शिष्ट भाषा हिंदी या हिंदुस्तानी है।"
-सर जार्ज ग्रियर्सन।

"मुस्लिम शासन में हिंदी फारसी के साथ-साथ चलती रही पर कंपनी सरकार ने एक ओर फारसी पर हाथ साफ किया तो दूसरी ओर हिंदी पर।"
- चंद्रबली पांडेय।

"जब से हमने अपनी भाषा का समादर करना छोड़ा तभी से हमारा अपमान और अवनति होने लगी।"
- (राजा) राधिकारमण प्रसाद सिंह।

राजभाषा हिन्दी
राजभाषा हिन्दी

हंसध्वनि

हंसध्वनि संपादक मंडल

संरक्षक
डॉ बी पी शर्मा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

प्रधान संपादक
श्री एच एस कश्यप
विभागाध्यक्ष
मासं व प्रशा

संपादक
श्री रजनीश कुमार सिन्हा
प्रबंधक (राजभाषा)

संपादकीय सहयोग

सुश्री रेखा रानी
हिंदी आशुलिपिक सह टंकक
प्रधान कार्यालय

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

यदि हार की कोई संभावना ना हो तो जीत का कोई अर्थ नहीं है।

अनुक्रमणिका

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	04
प्रधान संपादक की कलम से	05
शिक्षाप्रद कहानियाँ	06
न्यूरल ट्रांसलेशन मशीन से गूगल ट्रांसलेट	07
टेक्नोलॉजी पर अनमोल सुविचार	09
छाया संसार	10
घुमक्कड़ी	15
उड़ीसा की अविस्मरणीय यात्रा	19
खबरों में पवन हंस	22
सिनेमा व टीवी क्षेत्र की हस्तियों के हिंदी संबंधी विचार	25
रोहिणी संबंधी फीचर आलेख	26
मोबाइल में हिंदी का प्रयोग	28
स्वच्छ भारत अभियान	30

डॉ बी पी शर्मा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

सफलता का आधार है सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से

पवन हंस के कार्मिकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत की अर्थव्यवस्था एवं भारतीय विमानन उद्योग कई प्रकार की चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इन चुनौतियों के दौर में हमें अपनी भूमिका को प्रभावी रूप में निभा पाने के आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है। एक सकारात्मक विश्वास के साथ टीम भावना का प्रदर्शन हमें सफल बनाता है।

टीम भावना न केवल हमारे विशिष्ट कार्य क्षेत्र में लाभ पहुँचाती है वरन यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र या कार्यक्षेत्र में उसी प्रकार से महत्वपूर्ण रूप में हमारा पथ प्रशस्त करती है।

टीम भावना के दम पर ही हम पवन हंस में प्रत्येक नई पहल को उपलब्धियों में बदलते रहे हैं। राजभाषा हिंदी के लिए राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम में दिए लक्ष्यों को भी हासिल करना उसी टीम भावना एवं अद्यतन तकनीकी से जोड़ने के माध्यम से संभव है।

ई-पत्रिका के रूप में हंसध्वनि के प्रवेशांक के माध्यम से आपको अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रस्तुत करने के साथ ही साथ आप सबों से अपील है कि हममें से प्रत्येक अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी में कार्य को बढ़ाने के लिए सदैव प्रयासरत रहे और पत्राचार विशेष तौर पर ईमेल से किए जाने वाले पत्राचार के लिए राजभाषा विभाग के समन्वय से मिशन मोड में हरसंभव पहल करता रहे।

शुभकामनाओं सहित।

आपका,

डॉ बी पी शर्मा

एच एस कश्यप
संयुक्त महाप्रबंधक
(मासं व प्रशा)

प्रधान संपादक की कलम से

एक लोकप्रिय उक्ति है परिवर्तन ही एकमात्र स्थाई वस्तु है। वस्तुतः परिवर्तनों के साथ सामंजस्य बिठाते हुए प्रत्येक नई पहल या सकारात्मक शुरुआत के लिए सदैव प्रगतिशील रहना ही हमें सफल बनाता है।

पवन हंस के मामले में पत्रिका के स्तर पर भी परिवर्तन है और पवन हंस के नए अंक के लिए सम्बोधन का एक अपना सुख होता है। हिंदी पखावाड़ा के साथ नई चुनौतियों और नए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नए प्रयासों के साथ हंसध्वनि के नए अंक को इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में अर्थात ई-स्वरूप में प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

भारत की राजभाषा हिंदी को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने के मूल उद्देश्य के साथ आपसे तरह-तरह की सौगात साझा करते हुए हमें यह विश्वास है कि आप सबों के द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री और विचारों के माध्यम से रची बुनी यह समस्त ई-पत्रिका आपको अत्यंत पसंद आएगी।

इस अंक को रोचक व ज्ञानवर्धक बनाने में कार्मिकों से प्राप्त विविधतापूर्ण सामग्री सहित कुछ विशिष्ट आलेख दिए गए हैं जो निश्चित तौर पर आपका ज्ञानवर्धन करेंगे ।

हमें उम्मीद है कि अपनी प्रतिक्रियाओं के माध्यम से आप इस अंक से जुड़ी रचनाओं के बारे में हमें अवश्य बताएंगे। आपकी अभिरुचि और प्रत्याशाओं के अनुरूप हम पत्रिका की रचनाओं में विविधतापूर्ण सामग्री लाते हुए आप तक निरंतर रोचक व ज्ञानवर्धक सामग्री पहुँचा पाने में सफल सिद्ध हों इस कामना के साथ आपकी प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा में।

आपका,

एच एस कश्यप

पंडित दीनदयाल उपाध्याय 1916 2016 जन्म शताब्दी वर्ष

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

आप में शुरू करने की हिम्मत है तो, आप में सफल होने के लिए भी हिम्मत है।

शिक्षाप्रद कहानियाँ

शिक्षाप्रद कहानियाँ

1.

महात्मा का स्वभाव

एक महात्मा नदी में नहा रहे थे। उन्होंने देखा, एक बिच्छू जल की धारा में बहा जा रहा है, महात्मा ने बिच्छू को बचाने के लिये उसे हाथ में उठा लिया।

बिच्छू ने महात्मा के हाथ में डंक मारा, डंक मारते ही हाथ हिला जिससे बिच्छू जल में गिर गया और बहने लगा।

महात्मा ने बिच्छू को फिर उठाया। इस बार भी उसने डंक मारा और हाथ हिलने से फिर जल में गिर गया। महात्मा ने फिर उठाया, तब पास ही नहाने वाले एक सज्जन ने महात्मा से कहा कि आप ऐसा क्यों कर रहे है?

महात्मा बोले-भाई इसका स्वभाव है डंक मारना और मेरा स्वभाव है इसे बचाना। जब यह कीड़ा होकर भी अपना स्वभाव नहीं छोड़ता तब फिर मैं मनुष्य होकर अपना स्वभाव क्यों छोड़ूँ?

2.

चोर से सहानुभूति

एक भक्त थे, कोई उनका कपड़ा चुरा ले गया। कुछ दिनों बाद उस भक्त ने वह कपड़ा एक आदमी के हाथ में देखा जो उसे बाज़ार में बेच रहा था।

एक ग्राहक उस आदमी से कहता है "यह कपड़ा तुम्हारा है या चोरी का, इसका क्या पता। हाँ कोई सज्जन पहचान कर बता दें कि तुम्हारा ही है तो मैं इसे ख़रीद लूँगा।"

वह भक्त पास ही खड़े थे और उनसे ग्राहक का परिचय भी था। उन्होंने उस ग्राहक से कहा मैं इस आदमी को जानता हूँ, तुम इस कपड़े के दाम दे, दो।

ग्राहक ने कपड़ा ख़रीदकर कीमत चुका दी। यह सब देखकर भक्त के एक साथी ने उनसे पूछा कि आपने ऐसा क्यों किया? इस पर भक्त बोले कि वह बेचारा बहुत ग़रीब है, ग़रीबी से तंग आकर उसे ऐसा करना पड़ा है।

भक्त ने कहा कि ग़रीब की तो हर तरह से सहायता ही करनी चाहिये। इस अवस्था में उसको चोर बतलाकर फ़साना अत्यन्त पाप है।

भक्त की इस बात का चोर पर बड़ा प्रभाव पड़ा और वह भक्त की कुटिया पर जाकर अपनी ग़लती के लिए रोने लगा। उस दिन से वह चोर भी एक भक्त बन गया।

(साभार : http://bharatdiscovery.org/india कोटि: शिक्षाप्रद कहानियाँ)

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited
हजारों मील के सफर की शुरूआत एक छोटे कदम से होती है।

विशेष आलेख

पवन हंस लिमिटेड के राजभाषा अनुभाग में अनुवाद को लेकर पिछली तिमाही के दौरान विशेष सक्रियता प्रदर्शित की गई और नई दिल्ली स्थित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में इरेडा के द्वारा आयोजित सम्मेलन में प्रतिभागिता के माध्यम से गूगल ट्रांसलेट की नई तकनीकी न्यूरल ट्रांसलेशन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। यह तकनीक अनुवाद के क्षेत्र में नितांत अहम उपलब्धि के रूप में है और इसके द्वारा मानवीय श्रम की काफी बचत हो रही है। यद्यपि इसके पूर्व तकनीकी अनुवाद को कभी भी गंभीरता पूर्वक नहीं लिया गया लेकिन गूगल द्वारा प्रारंभ की गई इस नई न्यूरल ट्रांसलेशन तकनीक के माध्यम से हम पाते हैं कि कनिष्ठ हिंदी अनुवादक के द्वारा किए जानेवाले अनुवाद के बराबर की अनुवाद सामग्री हमें मशीनी माध्यम से प्राप्त हो जा रही है। इस तकनीकी के अपने स्तर पर तमाम लाभ हैं और इसको अपनाकर राजभाषा के क्षेत्र में अनुवाद के नए आयामों को हासिल किया जा सकता है।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

अपनी कल्पना को जीवन का मार्गदर्शक बनाएं अपने अतीत को नहीं।

न्यूरल ट्रांसलेशन मशीन से अब हिंदी का बेहतर अनुवाद करेगा गूगल ट्रांसलेट

गूगल ट्रांसलेट ने पिछले साल नवंबर में न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पेश किया था। उस वक्त यह सिर्फ 8 भाषाओं के लिए उपलब्ध था मगर अब गूगल ने बेहतर ट्रांसलेशन करने वाले इस सिस्टम को हिंदी, रूसी और वियतनामी भाषाओं के लिए जारी किया है। यानी अब गूगल इन भाषाओं के लिए ट्रांसलेशन के लिए अपने ट्रांसलेट ऐप और ट्रांसलेशन टूल में बैक एंड पर इस सिस्टम को इस्तेमाल करेगा।

गूगल ने बताया है कि न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन में एक-एक शब्द का ट्रांसलेशन करने के बजाय पूरे वाक्य को समझकर उसका ट्रांसलेशन किया जाता है। इससे पहले किए जाने वाले ट्रांसलेशन में बहुत बुनियादी वाक्य ही ट्रांसलेट हो पाते थे और कई बार उनका भी अर्थ बदल जाता था। मगर न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पहले वाले टूल से बेहतर अनुवाद करेगा।

गूगल ने अपने ब्लॉग में लिखा है, 'न्यूरल ट्रांसलेशन हमारी पिछली टेक्नॉलजी से बहुत अच्छा है। ऐसा इसलिए क्योंकि वाक्य के हिस्सों को ट्रांसलेट करने के बजाय इसमें पूरे वाक्य का अनुवाद किया जाता है। इससे ट्रांसलेशन ज्यादा सटीक हो जाता है। यह वैसे ही रूप में होता है जैसे लोग बात कहते हैं।'

जल्द ही सभी आईओएस और ऐंड्रॉयड यूजर्स के गूगल ट्रांसलेट ऐप्स को अपडेट मिल जाएगा। यह फीचर translate.google.com गूगल सर्च और गूगल ऐप पर भी ऐक्सेस किया जा सकता है। गूगल का कहना है कि आने वाले दिनों में अन्य भाषाओं के लिए भी न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन लाया जाएगा।

गूगल न्यूरल मशीन अनुवाद या गूगल का तंत्रिक मशीनी अनुवाद (Google Neural Machine Translation (GNMT)) एक न्यूरल मशीन अनुवाद (तंत्रिक मशीनी अनुवाद) प्रणाली है। जिसे गूगल ने नवम्बर 2016 में आरम्भ किया। इस प्रणाली में तंत्रिक जाल (न्यूरल नेटवर्क) का प्रयोग होता है जिससे अनुवाद की शुद्धता और प्रवाह में वृद्धि हो जाती है। गूगल का तंत्रिक मशीनी अनुवाद, उदाहरण-आधारित यांत्रिक अनुवाद का उपयोग करके अनुवाद की गुणवत्ता में वृद्धि करता है। इस प्रणाली में अनुवादक सॉफ्टवेयर, लाखों उदाहरणों से 'सीखता' है। यह प्रणाली हिन्दी सहित लगभग आधा दर्जन भाषाओं में अनुवाद के लिये प्रयुक्त हो रही है।

बड़े एंड-टू-एंड फ्रेमवर्क के साथ, सिस्टम समय के साथ बेहतर, अधिक प्राकृतिक अनुवाद बनाना सीखता है। जीएनएमटी एक बार में पूरे वाक्यों का अनुवाद करने में सक्षम है, बजाय टुकड़ों में अनुवाद करने के। वाक्यांश-से-वाक्यांश अनुवादों को याद रखने के बजाय, जीएनएमटी नेटवर्क वाक्य के शब्दों को एन्कोडिंग द्वारा इंन्टरलिंगुअल मशीन अनुवाद कर सकता है।

इतिहास

गूगल ब्रेन प्रोजेक्ट 2011 में गूगल फेलो जेफ डीन, गूगल रिसर्चर ग्रेग कोर्राडो और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी कम्प्यूटर साइंस के प्रोफेसर एंड्रयू एनजी द्वारा "गुप्त गूगल एक्स अनुसंधान प्रयोगशाला" में स्थापित किया गया था। एनजी ने गूगल और स्टैनफोर्ड की सबसे बड़ी सफलताओं का नेतृत्व किया है। सितंबर 2016 में गूगल में एक शोध टीम ने गूगल न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन सिस्टम (जीएनएमटी) के विकास की घोषणा की थी और नवंबर तक गूगल अनुवाद ने तंत्रिका मशीन अनुवाद (एनएमटी) का प्रयोग अपने पिछले सांख्यिकीय तरीकों (स्टैटिस्टिकल मेथड (एसएमटी)) के साथ करना शुरू किया जिसका उपयोग अक्टूबर 2007 से, इसकी स्वामित्व वाली, इन-हाउस एसएमटी तकनीक के साथ किया जा रहा था।

गूगल ट्रांसलेशन के एनएमटी सिस्टम बड़े कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके डीप लर्निंग की क्षमता रखते हैं। लाखों उदाहरणों का उपयोग करके, जीएनएमटी अनुवाद की गुणवत्ता में सुधार करता है। सबसे प्रासंगिक अनुवाद का पता लगाने के लिए व्यापक संदर्भ का उपयोग करता है। इसके परिणामस्वरूप व्याकरणिक रूप से आधारित मानव भाषा के दृष्टिकोण के लिए पुन: व्यवस्थित और अनुकूलित किया जाता है। जीएनएमटी की प्रणाली सीखने की प्रस्तावित वास्तुकला (आर्किटेक्चर) पहली बार गूगल अनुवाद द्वारा समर्थित सौ से अधिक भाषाओं में टेस्ट की गई थी। जीएनएमटी ने अपना सार्वभौमिक इंटरलिंगुआ नहीं बनाया बल्कि इसने भाषाओं में मिलने वाली समानताओं को अपना लक्ष्य बनाया जो इसे कंप्यूटर वैज्ञानिकों के मुकाबले मनोवैज्ञानिकों और भाषाविदों के लिए अधिक रुचिकर बनाता है।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

अगर तुम उस वक्त मुस्कुरा सकते हो जब तुम पूरी तरह टूट चुके हो तो यकीन कर लो कि दुनिया में तुम्हें कभी कोई तोड़ नहीं सकता।

2016 में नया अनुवाद इंजन पहले आठ भाषाओं अंग्रेजी फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, पुर्तगाली, चीनी, जापानी, कोरियाई और तुर्की में सक्षम था। मार्च 2017 में, तीन अतिरिक्त भाषाओं को सक्षम किया गया: रूसी, हिंदी और वियतनामी।

ज़ीरो-शॉट अनुवाद

जीएनएमटी प्रणाली को पूर्व गूगल अनुवाद में सुधार का प्रतिनिधित्व करने वाला कहा जाता है। नई प्रणाली में यह "ज़ीरो-शॉट अनुवाद" कर सकता है, यह सीधे एक भाषा का अनुवाद दूसरी भाषा में करता है (उदाहरण के लिए, जापानी से कोरियाई)। पुरानी प्रणाली में गूगल अनुवाद पहले अंग्रेजी में स्रोत भाषा का अनुवाद करता था और फिर उसे दूसरी भाषा में अनुवाद करता था।

टेक्नोलॉजी पर अनमोल सुविचार

मानव भावना प्रौद्योगिकी से अधिक महत्वपूर्ण होनी चाहिए।

पर्याप्त रूप से विकसित किसी भी तकनीकी और जादू में अन्तर नहीं किया जा सकता।

खेद है की टेक्नोलॉजी में विकास की रफ़्तार, लोगों में बुद्धिमानी बढ़ाने की रफ़्तार से भी ज्यादा तेज है।

यह प्रौद्योगिकी में विश्वास नहीं है। यह लोगों में विश्वास है।

तकनीक के ऊपर ही तकनीक का निर्माण होता है।हम तकनीकी रूप से विकास नहीं कर सकते यदि हम में ये समझ नहीं है कि सरल के बिना जटिल का अस्तित्व संभव नहीं है।

कानून, राजनीती और प्रौद्योगिकी का मिलान बहुत सारी अच्छी सोच को लागू करने वाला है।

जहाँ प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण है वहीं वास्तव में मायने ये रखता है कि हम इसका करते क्या हैं।

यह भयावह रूप से स्पष्ट हो चुका है कि हमारी तकनीक हमारी मानवता की सीमाएँ पार कर चुकी है।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

कामयाब लोग अपने फैसले से दुनिया बदल देते हैं और नाकामयाब लोग दुनिया के डर से अपने फैसले बदल लेते हैं।

उपलब्धियाँ

छाया संसार

उपलब्धियाँ एवं गतिविधियाँ

10वां एसोचैम अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन सम्मेलन (दिनांक:37.08.2017)।

सम्मेलन के दौरान पर्यटन एवं सुदूर हवाई संपर्कता हेतु पवन हंस लिमिटेड को प्राप्त उत्कृष्ट सामान्य विमानन कंपनी का पुरस्कार (दिनांक:27.08.2017)।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

लगातार हो रही असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए क्योंकि कभी कभी गुच्छे की आखिरी चाबी भी ताला खोल देती है।

उपलब्धियाँ

पवन हंस लिमिटेड एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मध्य एक तीन वर्षीय बीएससी (एयरोनॉटिकल) डिग्री पाठ्यक्रम के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर (दिनांक 27.07.2017)।

वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए पवन हंस लिमिटेड एवं नागर विमानन मंत्रालय के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (दिनांक: 19.07.2017)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
1916 2016
जन्म शताब्दी वर्ष

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

सुंदरता और सरलता की तलाश चाहे हम सारी दुनिया घूम के कर लें लेकिन अगर वो हमारे अंदर नहीं तो फिर सारी दुनिया में कहीं नही है।

उपलब्धियाँ

उत्तर प्रदेश में अंतरराज्ज्यीय हवाई संपर्कता को स्थापित करने एवं पर्यटन के विकास के लिए मुख्य मंत्री,, उत्तर प्रदेश के साथ अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की एक सद्भावना भेंट (दिनांक:28.04.2017)।

उड़ान स्कीम (UDAN) यानी देश की सबसे सस्ती हवाई यात्रा : 2500 रु. प्रधानमंत्री महोदय ने शिमला में बहु प्रतीक्षित 'उड़ान स्कीम (UDAN Scheme)' के तहत शिमला-दिल्ली मार्ग पर पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई । इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय एवं टीम पवन हंस लिमिटेड द्वारा विशिष्ट प्रतिभागिता प्रदर्शित की गई (दिनांक:27.04.2017)।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

यदि मनुष्य सीखना चाहे तो उसकी प्रत्येक भूल उसे कुछ न कुछ सिखा देती है।

गतिविधियाँ

गतिविधियाँ

पवन हंस लिमिटेड में संपन्न गतिविधियों के कोलाज में हाल में संपन्न श्रीगणेशोत्सव सहित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह, स्वच्छ भारत अभियान और स्किल इंडिया के साथ तंबाकू मुक्त भारत हेतु एक पहल सहित मुख्य सतर्कता अधिकारी महोदय की विदाई के समारोह की झलकियां प्रस्तुत हैं।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

हमें जीवन में भले ही हार का सामना करना पड़ जाए पर जीवन से कभी नहीं हारना चाहिए।

नई पहल

नई पहल

जामिया में शुरू होगी ऐरोनॉटिक्स की पढ़ाई, पवन हंस करेगा मदद

बीएससी एयरोनॉटिक्स करने की चाहत रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छी खबर है। देश की जानी मानी यूनिवर्सिटी जामिया मिलिया इस्लामिया अब पवन हंस लिमिटेड के साथ मिलकर बीएससी एयरोनॉटिक्स कोर्स शुरू करने जा रही है। इस कोर्स को शुरू करने वाली जामिया मिलिया पहली यूनिवर्सिटी होगी, जो छात्रों को ड्यूल डिग्री देगी।

यूनिवर्सिटी प्रशासन के मुताबिक जामिया से बीएससी एयरोनॉटिक्स कोर्स करने वाले छात्रों को स्नातक की डिग्री जामिया की ओर से दी जाएगी, जबकि मेंटेनेंस इंजीनियरिंग एयरक्राफ्ट के लिए सर्टिफिकेट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) देगा। यह तीन वर्षीय बीएससी डिग्री कोर्स होगा, जिसमें वही छात्र आवेदन कर पाएंगे, जिन्होंने 12वीं में साइंस और मैथ्स के कॉम्बिनेशन की पढ़ाई की होगी।

बीएससी एयरोनॉटिक्स कोर्स के दाखिले के लिए छात्रों को एंट्रेंस एग्जाम देना होगा। इस कोर्स का थ्योरी पार्ट जामिया के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग की ओर से कराया जाएगा, जबकि प्रैक्टिकल ट्रेनिंग हेलिकॉप्टर कंपनी पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) देगी। जामिया विश्वविद्यालय ने इस कोर्स के लिए पवन हंस लिमिटेड के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया है।

जामिया के वाइस चांसलर प्रोफेसर तलत अहमद के मुताबिक देश-विदेश में नागरिक उड्डयन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में इस सेक्टर से जुड़ने की चाह रखने वाले छात्रों को बीएससी एयरोनॉटिक्स कोर्स का विशेष लाभ मिलेगा। पीएचएल के मैनेजिंग डायेक्टर डॉ बी पी शर्मा के मुताबिक भारत के बेड़े में 380 एयरक्रॉफ्ट और 280 हेलिकॉप्टर है। आगामी चार-पांच सालों में 500 एयरक्रॉफ्ट और शामिल हो जाएंगे। लिहाज़ा भविष्य में इस सेक्टर में जॉब ओपनिंग भी ज्यादा होंगी। बड़ी तादाद में प्रशिक्षित इंजीनियरों और कर्मियों की जरूरत होगी। (समाचार साभार: http://aajtak.intoday.in/education/story/jamia-millia-islamia-will-start-bsc-aeronautics-course-with-pawan-hans-limited-1-943612.html)

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

प्रतिबद्ध मन को कठिनाई का सामना करना पड़ जाए पर जीवन से कभी नहीं हारना चाहिए।

यायावरी जिसे सरल हिंदी में घुमक्कड़ी कहते हैं हिंदी की एक विधा है जिसके माध्यम से लेखक अपने यात्रा वृतांत को रोचक अंदाज में प्रस्तुत करता है।

पवन हंस की ई-पत्रिका के इस अंक के संकलन के क्रम में गूगल पर किए आरएण्डडी के द्वारा पवन हंस से संबंधित इमेज सर्च के दौरान इस युवा लेखिका के ब्लॉग से परिचय हुआ और फिर तो हुदा सइदा के लेखन से रूबरू कराने का लोभ संवरण नहीं कर पाया।

यद्यपि यहाँ प्रस्तुत विवरण एक झांकी ही है और संपूर्ण विवरण यूआरएल पते http://meritraveldiaries.blogspot.in/2015/ पर उपलब्ध है।

गूगल, ब्लॉगर को हार्दिक आभार सहित संक्षिप्त अंश प्रस्तुत है।

पूरा विश्वास है कि आभासी यात्रा के वाद आप निश्चित रूप से वास्तविक यात्रा पर जाना पसंद करेंगे। लेखिका महोदया के पेज को लाइक, शेयर, विजिट तो अवश्यय ही करेंगे।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

खुशी के लिए काम करोगे तो खुशी नहीं मिलेगी, लेकिनखुश होकर काम करोगे, तो खुशी और सफलता दोनों ही मिलेगी...

लक्षदीप आइलैंड

मेरा सफ़र शुरू हुआ दिल्ली से सुबह 4 बजे जब मैंने इंदिरा गाँधी इंटरनेशनल एअरपोर्ट से फ्लाइट बोर्ड की "दिल्ली से कोच्ची".... दिल्ली से कोच्ची का सफ़र 3 घंटे का था और बहुत ही आराम दायक था.... फ्लाइट में हर प्रकार की सुविधा तो होती ही है ये तो आप सही जानते हैं और काफी कम समय में आप लम्बी दूरी तय कर लेते हैं.... ये मेरा पहला हवाई सफ़र था क्यूंकि इससे पहले मैं जहाँ भी गई हूँ या तो बस से या अपनी कार से मगर हवाई जहाज़ का मज़ा अलग ही होता है और मुझे बहुत मज़ा आया... .इनफैक्ट दोस्तों मैंने तो अपने पापा से बोला कि अब जहाँ कहीं जाएँगे तो फ्लाइट से.... तो मेरे पापा खूब हँसे और बोले ठीक है।

यहाँ से मेरी फ्लाइट 6 बजे उड़ी थी और लगभग 9 बजे कोच्ची लैंड हो गया था.... फिर वहां कोच्ची इंटरनेशनल एअरपोर्ट से मेरी कनेक्टिंग फ्लाइट थी "अगत्ती" (एक छोटा सा आइलैंड) के लिए.... ये फ्लाइट भी ३ घंटे की ही थी और हम लगभग १२ बजे अगत्ती पहुँच गए थे..... दोस्तों ये फोटो है कोच्ची इंटरनेशनल एअरपोर्ट की.... यहीं से ही थी हमारी अगत्ती के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट....

हम अगत्ती पहुंचे लगभग 12 बजे और फिर वहां से हमें आगे जाना था "लक्षदीप आइलैंड"..... आप लोगों को एक ऐसी चौका देने वाली बात बताना चाहती हूँ जो वहां अगत्ती पहुँच के हमारे साथ घटी... अगत्ती से हमें लक्षदीप तक स्टीमर से जाना था मगर कुछ टेक्निकल प्रॉब्लम की वजह से स्टीमर नहीं आ पाया तो जानते हैं क्या हुआ मुझे तो यकीन ही नहीं हुआ था जब मुझे पता चला के हम आगे लक्षदीप तक हेलीकाप्टर से जाएँगे.... बस मैं बता नहीं सकती वो अनुभव कि कैसा लगा था हेलीकाप्टर में बैठ के.... नीले समुंदर के ऊपर उड़ता हुआ चौपर क्या नज़ारा था आज भी याद करती हूँ। ये फोटो है जब मैं लक्षदीप आइलैंड पे उतरी थी।

हेलिपैड पे जब उतरी तो लगा के हाँ यार बस ठीक ठाक सी जगह है लेकिन वैसी नहीं जैसा इन्टरनेट पे फ़ोटोज़ दिखाए जाते हैं.... लेकिन जब थोडा आगे बढे लगभग हेलिपैड से आधा किलोमीटर अंदर जंगल में चलने के बाद जब हम बेस कैंप पहुंचे ना दोस्तों तो हमारे होश उड़ गए और मुझे लगा कि भारत में भी इस तरह का समुद्र और बीच स्थित है, ऐसा लग रहा था जैसे इंडिया से कहीं बाहर आ गए हों.... दूर दूर तक फैला नीला समुद्र, सफ़ेद रेत नीला आसमान और बीच पे लगे हमारे रुकने के लिए टेंट.... अब दोस्तों मैं कुछ फ़ोटोज़ आपको दिखाना चाहती हूँ जिससे आपको खुद ताज्जुब होगा....

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

जिनको सपने देखना अच्छा लगता है उन्हें रात छोटी लगती है और जिनको सपने पूरे करना अच्छा लगता है उनको दिन छोटा लगता है।

ये देखिये दोस्तों लक्षद्वीप आइलैंड....

ये था मेरा दिल्ली से लक्षदीप का सफ़र....उम्मीद करती हूँ आप लोगों को ये पोस्ट भी मेरा पसंद आये....मैं तो यहाँ फिर जाने के लिए बिलकुल तैयार हूँ....आप लोग भी हिम्मत कर ही लीजिये....!!!!!

मित्रो, इस यात्रा विवरण के बाकी अंशों को आप यात्रा ब्लॉग लेखिका के ब्लॉग साइट http://meritraveldiaries.blogspot.in/2015/ का विजिट कर पूरा पढ़ सकते हैं। पवन हंस संबंधी यात्रा विवरणों के लिए पवन हंस लेखिका का आभारी है और हम उम्मीद करते हैं कि आप भविष्य में अन्यत्र भी पवन हंस की हेलीकॉप्टर सेवाओं का लाभ उठाएं।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते पर आप अपनी आदतें बदल सकते है और निश्चित रूप से आपकी आदते आपका भविष्य बदल देंगी।

यात्रा वृतांत, यायावरी या घुम्मक्कड़ी से संबंधित यह आलेख श्री संजीव कुमार, विपणन विभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा हिंदी पखवाड़ा, 2016 के दौरान एक प्रतियोगिता के क्रम में प्रथम पुरस्कार प्राप्त प्रविष्टि रहा।

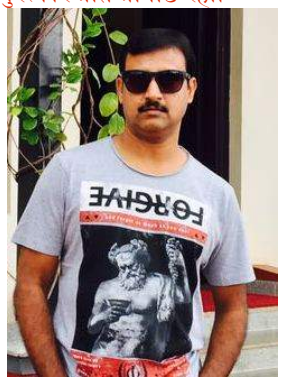

एक सपने के टूटकर चकनाचूर हो जाने के बाद दूसरा सपना देखने के हौसले को ज़िंदगी कहते हैं।

उड़ीसा की यात्रा का अविस्मरणीय यात्रा संस्मरण

अपने जीवनकाल में मनुष्य को अनेक यात्राओं का अनुभव होता है। कुछ यात्राएं लोग सुख व मनोरंजन के लिए करते है तो कुछ आवश्यकता के मुताबिक यात्राएं करते हैं मैंने भी उड़ीसा की यात्रा अपने परिवार के साथ की है जिसका मैं उल्लेख करने जा रहा हूँ। यह यात्रा मैंने अपनी पत्नी एवं दो पुत्रों के साथ की थी। हमने सायं 6.30 बजे टर्मिनल3 विमानपत्तन दिल्ली से हवाई जहाज से उड़ान भरी और रात 8.30 बजे हम लोग भुवनेश्वर विमानपतन पर उतरे। यहाँ पर दिल्ली की अपेक्षा मौसम में अधिक गर्मी थी। उड़ान के दौरान हमें एक महानुभाव मिले जो मेरी बगल वाली सीट पर बैठे थे। उनसे बातचीत के दौरान पता चला कि वह उड़ीसा के ही रहने वाले है और दिल्ली में किसी काम से आए थे और अब वापस अपने घर जा रहे हैं। इस भले इंसान की वजह से ही हमारी यात्रा अविस्मरणीय यात्रा बनी। इन्होंने हमें जगन्नाथ मंदिर के एक पंडा जो मंदिर में भगवान जगन्नाथ जी का श्रृंगार करते हैं उनका मोबाइल नंबर दिया। बच्चों ने मुझे उनसे गाहिरमाथा बीच जहाँ पर ओलिव रिडले समुद्री कछुए रहते हैं वहाँ किसी परिचित का नंबर लेने को कहा था। क्योंकि इस बीच पर आम लोगो का प्रवेश वर्जित है। मेरे बच्चों का उड़ीसा घूमने का प्रमुख उद्देश्य बीच पर जाकर कछुओं को देखना था। मैंने झिझकते हुए उनसे इस विषय में पूछा तो उन्होंने तुरन्त एक विद्यार्थी का मोबाइल नम्बर दिया जो इन कछुओं पर उस बीच पर रहकर उनके विषय पर शोध कर रही है। अब हम लोगो की खुशी का ठिकाना नहीं था हमे लगा जैसे भगवान उस मानवरूपी में आकर हमारी सहायता कर गए हैं।

हम भुवनेश्वर पहुँचे। वहां का लिंगराज मंदिर और स्वयंभू शिवलिंग देखा। भगवान शंकर का एक अदभूत स्वरूप और उसका दर्शन अध्यात्म कला और जीवन शैली के अद्भुत संगम से टकटकी लगाए देखने वाला था। मैंने महसूस किया कि पुरी में प्रवेश के बाद हर पल ही एक नया अनुभव था जो बड़ा ही विलक्षण और मेरे लिए स्वाभाविक था। यहां से हम धौलगिरी पर्वत पर गए। जापानियों ने यहां 1972 में भगवान बुद्ध का श्वेत स्तूप बनवाया हुआ है। उसके भगवान बुद्ध की चार

प्रतिमाएं चारों तरफ स्थित है। धौलगिरी से खण्डगिरी उदयगिरी की तरफ कार रवाना हो गई। रास्ते में उड़ीसा की लाजवाब प्राकृतिक सुंदरता को देखने का मौका मिला। क्या प्राकृतिक सम्मेहन है! खण्डगिरी-उदयगिरी की गुफाएं और उनकी बनावट भी आर्किटेक्चर का एक नायाब नमूना है। वाह! तत्पश्चात, एशिया का सबसे बड़ा चिडियाघर नंदन कानन देखने का मौका मिला। सफेद विशाल शेर, हिरन, चीतल, मस्ती में नाचते हुए मोर बहुत ही खूबसूरत लगे

अगले दिन सुबह सात बजे हम एशिया की सबसे बड़ी झील चिल्का देखने रवाना हो गए। यह 10 किलोमीटर लम्बी और 30 किलोमीटर चौड़ी है। दिसम्बर से जून तक इस झील का जल खारा रहता है किंतु वर्षा ऋतु में इसका जल मीठा हो जाता है। यह झील संकटग्रस्त व रेयर इरावती डॉल्फिनों का घर भी है। यहां हमने बहुत सारी डॉल्फिन मच्छलियों को देखा जो हम अपनी जिन्दगी में कभी नहीं भूल पाएंगे और बच्चे तो खुशी से उछल रहे थे।

उसके बाद शाम को स्वर्ग द्वार पुरी पहुँचे। यहां का सबसे प्रसिद्ध पुरी बीच जिसे गोल्डन बीच भी कहते हैं देखकर दंग रह गए। यहां की रेत का कलर सुनहरा है। वहाँ पर मैने बच्चों के साथ समुद्र में स्नान किया और मस्ती की थी।

अगले दिन हम जगन्नाथ मंदिर गए। वहां पहुंचकर हमने पंडा जी का मोबाइल मिलाया और उन्हें उस व्यक्ति का संदर्भ देकर बात की और पंडा जी हमें मंदिर के मुख्य द्वार पर मिले वह बहुत ही सुलझे हुए व्यक्ति थे। उनका वह जोर से जय जगन्नाथ बोलना मानो भगवान जगन्नाथ के सानिध्य में अभिव्यक्ति का जादू करने लगा। उन्होंने बहुत प्रेम और श्रद्धा के साथ मंदिर में प्रवेश कराया और कुछ समय के लिए मुझे लगा कि मैं धरती पर नहीं हूँ। भगवान के सानिष्य में हूँ। मंत्रों के जोरदार उच्चारण, पंडो की भीड़, भक्तों की अपार भीड़ के बीच भगवान जी, सुभद्रा और बलभद्र भगवान का विशाल स्वरूप देखकर मन भाव-विभोर हो गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
1916 2016
जन्म शताब्दी वर्ष

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited
सफलता का चिराग परिश्रम से जलता है।

अंतत: वह दिन आ गया जिसका हम सबको इंतजार था। शाम को हम रेलगाड़ी से गाहिरमाथा बीच के लिए निकल गए। स्टेशन से उतरकर हमने प्रिया (विद्यार्थी) को मोबाइल पर संपर्क किया और उसने हमें रात 10 बजे उसके पास आने के लिए कहा। हमने रात को 9 बजे खाना खाने के बाद ऑटोरिक्शा लिया और 9.45 बजे पर उस स्थान पर पहुँच गए जहां हमें प्रिया से मिलना था। प्रिया से मिलने के बाद प्रिया ने अपने पहचान के ऑटोरिक्शा को बुलाया और बीच पर चलने को कहा। हम रात को 11 बजे उस बीच पर पहुँचे और क्योंकि प्रिया ने पहले से ही वन विभाग से अनुमति ले रखी थी इसलिए वहां के अधिकारियों ने हमें बीच पर जाने से नहीं रोका। अब वो समय आ गया था जब हम अपनी आंखों से उन कछ्ओं को नेस्टिंग करते देख सकते थे। वहां पर हम 3 किलोमीटर तक बीच में रात 2 बजे तक घूमते रहे। प्रिया ने हमें बताया कि पूर्णिमा की रात है और ज्यादा रोशनी होने की वजह से कछुए समुद्र से बाहर आने से डरते हैं इसलिए हम वहां एक भी कछुआ नहीं देख पाए। यह हमारी बदकिस्मती थी कि इतनी मेहनत से पहुँचने के बाद भी हम वहां कुछ भी नहीं देख पाए। बच्चों को उदास देखकर उसने हमें कहा कि आप सब लोग कल सुबह आ जाओ मैं एक नाव पर तुम्हें समुद्र के बीच में ले जाउँगी और वहां कछुए जरूर दिखाई देंगे।

फिर हम अगले दिन सुबह 9 बजे उस बीच पर दोबारा पहुँच गए। वहां प्रिया अपने साथियों के साथ नाव पर हमारा इंतजार कर रही थी। हम सब नाव में बैठे और समुद्र के बीच में जाकर नाव को रोक दिया। हे भगवान ! यह क्या, यहां तो इतने सारे और इतने बड़े-बडे कछुए पानी में तैर रहे थे, कोई हमारे आगे से गुजरा तो कोई पीछे से। इतना बड़ा समुद्र, उसके बीच में यह नजारा कभी नहीं भूल पाउँगा ।

अगली सुबह बहुत उदासी थी क्योंकि यह हमारा पुरी से घर वापसी का दिन था । इतने दिन हम पर्यटन और अध्यात्म में रहे जैसे स्वर्ग में हों। उड़ीसा सरकार के पर्यटन प्रबंधन की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम होगी। यहां की अविस्मरणीय यादें साथ लेकर हम उदास मन से भुवनेश्वर विमानपतन पहुँचे और विमान में बैठकर दिल्ली के लिए उड़ान भरी।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

समस्या का सामना करें भागे नहीं तभी उसे सुलझा सकते हैं।

खबरों में पवन हंस

जम्मू और पुंछ के बीच हेलीकॉप्टर सेवा, सप्ताह में दो उड़ानें

सेवा प्रदाता पवन हंस प्रालि हेलीकॉप्टर के प्रत्येक चक्कर के लिए एक लाख रुपये किराया लेगा, 80 फीसदी का वहन सरकार सब्सिडी के तौर पर करेगी।

प्रतीकात्मक फोटो.

खास बातें

1. सप्ताह में दो बार सोमवार और शनिवार को उड़ान
2. प्रति व्यक्ति किराया 4,000 रुपये होगा
3. आपात स्थिति में 32,000 रुपये देकर ली जी सकेगी सेवा

जम्मू: जम्मू-कश्मीर सरकार ने यहां से सीमाई जिले पुंछ तक आम लोगों के लिए हेलीकॉप्टर सेवा सोमवार से शुरू करने का फैसला किया है.

पुंछ के उपायुक्त तारिक अहमद जरगर ने बताया कि हेलीकॉप्टर इस मार्ग पर सप्ताह में दो बार सोमवार और शनिवार को उड़ान भरेगा. उन्होंने बताया कि जम्मू से पुंछ जिले के लिए हेलीकॉप्टर सेवा सोमवार से शुरू होगी. इस सेवा के तहत प्रति व्यक्ति किराया 4,000 रुपये होगा. यह किराया एक ओर का होगा.

जरगर ने बताया कि सेवा प्रदाता पवन हंस प्रालि हेलीकॉप्टर के प्रत्येक चक्कर के लिए एक-एक लाख रुपये किराया लेगा. इस राशि में से 80 फीसदी का वहन सरकार सब्सिडी के तौर पर करेगी. उन्होंने बताया कि आपात स्थिति में 32,000 रुपये का भुगतान कर इस सेवा का लाभ लिया जा सकता है. यह राशि एक ओर के लिए होगी.

(स्रोत: https://khabar.ndtv.com/news/jammu-kashmir/helicopter-service-between-jammu-and-poonch-tomorrow-two-flights-a-week-1748236)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय 1916 2016 जन्म शताब्दी वर्ष

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

पवन हंस लिमिटेड Pawan Hans Limited

सुंदरता और सरलता की तलाश में हूं चाहे हम सारी दुनिया घूम लें लेकिन अगर वह हमारे अंदर नहीं तो फिर सारी दुनिया में कहीं नहीं है।

यमुना एक्सप्रेसवे के यात्रियों को मिलेगा इंश्योरेंस, हादसे के बाद एयर ऐम्बुलेंस से पहुंचाया जाएगा अस्पताल

यमुना एक्सप्रेसवे (फाइल फोटो

नोएडा-आगरा यमुना एक्सप्रेसवे पर यात्रियों को ऐक्सिडेंटल इंश्योरेंस देने पर विचार किया जा रहा है। यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट अथॉरिटी इस संदर्भ मे एक प्रस्ताव जल्द ही राज्य सरकार के पास भेजने जा रहा है। सोमवार को यमुना एक्सप्रेसवे के अध्यक्ष और मेरठ के डिविजनल कमिश्नर प्रभात कुमार ने पवन हंस के अधिकारियों के साथ मुलाकात की। अथॉरिटी की योजना एक्सप्रेसवे पर हादसों के बाद एयर ऐम्बुलेंस से घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाने की है। अगर यह योजना शुरू होती है तो देश में इस तरह का पहला मामला होगा।

प्रभात कुमार ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया से पवन हंस के मैनेजिंग चेयरमैन बी.पी शर्मा के साथ मीटिंग की पुष्टि की है। कुमार ने कहा, 'हमने पवनहंस को एक ऐसा प्रस्ताव तैयार करने के कहा है जिसमें एक्सप्रेसवे पर यात्रा करने वाले हर यात्री को इंश्योरेंस की सुविधा मिले और किसी भी तरह की दुर्घटना के तुरंत बाद यात्रियों को एयर ऐम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जा सके।

इसके लिए इंश्योरेंस फी को टोल टैक्स के साथ ही जोड़ने का प्रस्ताव है। पवन हंस इसके लिए इंश्योरेंस कंपनी से चार्ज वसूलेगी। ग्रेटर नोएडा से लेकर आगरा तक तीनों टोल प्लाजा पर हेलिकॉप्टर की सुविधा होगी, जिसमें डॉक्टरों की टीम जरूरी दवा के साथ तैनात रहेगी। घायलों को एयरलिफ्ट से नजदीक के अस्पताल पहुंचाया जाएगा, जिससे तुरंत इलाज मिल सकेगा।

माना जा रहा है कि इस प्लान को लागू करने से टोल टैक्स में 5 से 10 रुपये तक की वृद्धि हो सकती है। दुर्घटना में घायल हुए लोगों के इलाज के लिए एक्सप्रेसवे से जुड़ें जिलों के अस्पतालों के साथ भी समझौता किया जाएगा। आपको बता दें कि यमुना एक्सप्रेसवे पर ज्यादातर हादसे वाहनों की गति अधिक होने के कारण होते हैं। हादसे में घायलों को अस्पताल पहुंचाने में अधिक समय लग जाता है और उनकी जान चली जाती है।

(स्रोत : http://navbharattimes.indiatimes.com/business/business-news/proposal-of-accidnetal-insurance-for-yamuna-expressway-commuters/articleshow/60070232.cms)

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

दुनिया में कोई काम असंभव नहीं बस हौसला और मेहनत की जरुरत है बदलाव लाने के लिए स्वयं को बदलें।

ओएनजीसी ने पवनहंस में लगाई 134 करोड़ की अतिरिक्त पूंजी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के संयुक्त उपक्रम वाली हेलिकॉप्टर सेवा कंपनी पवनहंस में सरकार द्वारा विनिवेश से पहले ओएनजीसी ने तकरीबन 134 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूंजी लगाई है।

तेल एवं गैस अन्वेषक कंपनी ओएनजीसी की पवनहंस में 49 प्रतिशत और केंद्र सरकार की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए सरकार मंजूरी प्रदान कर चुकी है और विनिवेश से पहले की तैयारी जारी है। इस बीच ओएनजीसी ने इसमें अतिरिक्त पूंजी लगाते हुए यह संकेत दिया है कि वह फिलहाल अपनी हिस्सेदार कम करने के मूड में बिल्कुल नहीं है तथा संभव है कि वह आगे अपनी हिस्सेदारी और बढ़ा दे।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय की एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पवनहंस पर 139 करोड़ रुपए की देनदारी थी जो सरकार ने उसे इक्विटी शेयर के रूप में दिया है। इस निवेश से हेलीकॉप्टर सेवा कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से ज्यादा हो गई थी। ओएनजीसी को अपनी हिस्सेदारी वापस 49 प्रतिशत करने के लिए इसमें करीब 134 करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत थी। गत 10 जुलाई को पवनहंस के निदेशक मंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

अधिकारी ने कहा कि ओएनजीसी पवनहंस का सबसे बड़ा ग्राहक भी है। वह बीच समुद्र में तेल कुंओं तक अपने कर्मचारियों और संसाधनों को पहुंचाने के लिए पवनहंस के हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल करती है और संभव है कि वह अपनी हिस्सेदारी ज्यों की त्यों बनाए रखे।
उन्होंने बताया कि अभी मूल्यांकन समिति के समक्ष कुछ कागजात रखे गए हैं। समिति की बैठक इसी सप्ताह होनी है। हालांकि, संभव है कि एक बैठक में वह मूल्यांकन का काम पूरा न/न कर सके। उन्होंने कहा कि इसके बाद एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा और फिर बोली प्रक्रिया शुरू होगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या विनिवेश प्रक्रिया इसी वित्त वर्ष में शुरू हो जाएगी, अधिकारी ने कहा कि इसमें ज्यादा समय लग सकता है क्योंकि विनिवेश से पहले सरकार सभी दस्तावेजी काम दुरुस्त कर लेना चाहती है।
(स्रोत : http://www.samacharjagat.com/news/business/ongc-invests-rs-134-crore-additional-capital-in-pawan-hans-153943)

सफल व्यक्ति लोगों को सफल होते देखना चाहते हैं जबकि असफल व्यक्ति लोगों को असफल होते देखना चाहते हैं।

राम जन्मभूमि से लेकर ताजमहल तक कीजिए हेलि-परिक्रमा

यूपी के अहम पर्यटन स्थलों के लिए जल्द ही हेलि-परिक्रमा शुरू होगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में धार्मिक स्थलों के कायाकल्प का जिम्मा पर्यटन विभाग को सौंपा है.

अब यूपी पर्यटन विभाग राम जन्मभूमि, कृष्ण जन्मभूमि, वाराणसी, प्रयाग समेत सभी धार्मिक स्थलों को नए सिरे से संवारने का साथ ही यहां जल्द ही हेलिकॉप्टर सेवा भी शुरू करने जा रहा है.

पर्यटन विभाग ने मथुरा, अयोध्या, वाराणसी, इलाहाबाद के साथ ही आगरा में भी हेलिकॉप्टर टूरिज्म शुरू करने का फैसला किया है. पर्यटन विभाग ने इसके लिए केन्द्र की पवनहंस लिमिटेड से बातचीत कर योजना तैयार कर ली है.

मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा के साथ ही पर्यटन विभाग अपना सफल पायलट प्रोजेक्ट लांच कर चुका है. अब 6 महीने के भीतर ही इस प्रोजक्ट को सभी पांच ज़िलों में शुरू किया जाएगा.

उड़ानों की संख्या और हेलिकॉप्टर के किराए को इस तरह से तय किया जाएगा कि ज्यादा से ज्यादा पर्यटक यूपी के धार्मिक स्थलों और ताजमहल जा सकें. पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा जोशी का कहना है कि यूपी के धार्मिक पर्यटन को हेलिपरिक्रमा से नई पहचान मिलेगी.

(स्रोत : https://hindi.news18.com/news/uttar-pradesh/lucknow-yogi-government-to-start-heli-parikrama-in-up-religious-places-1094617.html)

घड़ी सुधारने वाले मिल जाते हैं लेकिन समय खुद सुधारना पड़ता है।

सिनेमा एवं टीवी क्षेत्र की कुछ हस्तियों के हिंदी संबंधी विचार

"आवाम से बात हिंदी में होगी"
– महमूद फारूकी

"मैं ख्वाब देखूं तो हिंदी में, मैं ख्याल यदि सोचूं तो हिंदी में"
– कैलाश खेर

"हिंदी को प्राथमिक और अंग्रेजी को गौण बनाकर चलें"
– रिजवान सिद्दीकी

"मैं उसकी काउंसिलिंग करना चाहूंगा जो कहता है हिंदी में करियर नहीं"
– खुराफाती नितिन

"हिंदी बढ़ा देती है आपकी पहुंच"
– अद्वैत काला

"बिना हिंदी सीखे नहीं चला काम"
– कैटरीना कैफ

"हिंदी ने ही मुझे बनाया"
– शाहरूख खान

"टीवी में हिंदीभाषियों के लिए मौके ही मौके"
– साक्षी तंवर

"हिंदी तरक्की की भाषा है"
– प्रकाश झा

"मेरे सपनों की भाषा है हिंदी"
– आशुतोष राणा

"अनुवाद से लेकर अभिनय, सबमें हिंदी ने दिया सहारा"
– सुशांत सिंह

(साभार: विभिन्न मीडिया चैनल)

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

मनुष्य वही श्रेष्ठ माना जाएगा जो कठिनाई नहीं अपनी राह निकालता है।

रोहिणी हेलीपोर्ट

भारत का पहले एकीकृत हेलीपोर्ट - रोहिणी हेलीपोर्ट के लिए पवन हंस लिमिटेड को सम्मान

इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने दिनांक 7 सितंबर, 2017 को दिल्ली में आईसीसी द्वारा आयोजित समारोह में पवन हंस को विकासशील राष्ट्र की पहली एकीकृत हेलीपोर्ट के रूप में शानदार उपलब्धि हेतु सम्मान प्रदान किया।

पवन हंस ने देश के आम लोगों तक हवाई संपर्क सुलभ करने के उद्देश्य से हेलीकॉप्टर परिवहन सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्र की पहले एकीकृत हेलीपोर्ट के विकास के साथ अपने व्यवसाय में विविधीकरण के एजेंडा को शामिल करने के लिए यह सम्मान प्राप्त किया। आईसीसी के महानिदेशक डॉ. राजवीर सिंह ने इस प्रतिष्ठित सम्मान को डॉ. बी. पी. शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पवन हंस लिमिटेड को उनके उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रस्तुत किया। पुरस्कार समारोह में नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेतृत्वकर्ताओं, वरिष्ठ नौकरशाहों, उद्योगपतियों और अन्य गणमान्यों की भी उपस्थिति रही और इसके माध्यम से लाभप्रदता, योगदान, ग्रामीण क्षेत्रीय हवाई संपर्कता और हेली-पर्यटन को बढ़ावा देने के माध्यम से समग्र परिचालन परिदृश्य में पवन हंस के रणनीतिक प्रदर्शन को भी रेखांकित किया गया।

नागर विमानन मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार के एक मिनी रत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के रूप में पवन हंस पूर्वोत्तर के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों को जोड़कर राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्रों में सामान्य नागर विमानन और हेलीकॉप्टर सेवाओं के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अंडमान एवं निकोबार के द्वीप समूह और लक्षद्वीप हेतु अपनी महत्वपूर्ण सेवाओं को उपलब्ध कराने के साथ पवन हंस वर्ष 1985 से तेल एवं प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में अपतटीय परिवहन सेवाए प्रदान करता आ रहा है।

पवन हंस ने अपने परिवर्तनकारी दृष्टिकोण "नवीन पहचान, नवीन परिदृश्य" के अंतर्गत बुनियादी ढांचे, कौशल विकास, एमआरओ और कंसल्टेंसी सेवाओं के विकास के लिए अपने व्यापार के फलक का विस्तार कर रहा है इसके अलावा हेलिकॉप्टर सेवाओं के अपने मुख्य

पंडित दीनदयाल उपाध्याय 1916 2016 जन्म शताब्दी वर्ष

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

पुरुषार्थ से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है ।

रोहिणी हेलीपोर्ट

व्यवसाय के साथ हाल ही में, पवन हंस ने अपना बिजनेस पोर्टफोलियो बढ़ाकर 100 हेलीकॉप्टर और सी-प्लेन के लिए अपनी नई कारोबारी योजना - 2027 को विकसित किया है और अगले 7 से 10 वर्षों में अपनी कारोबारी रणनीति, बेड़े के आधुनिकीकरण और संगठनात्मक पुनर्गठन के जरिए अपने परिचालन राजस्व को तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य किया है।

पवन हंस ने रोहिणी, दिल्ली में बुनियादी ढांचे के विकास की पहल के रूप मे अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ "राष्ट्र के सबसे पहले एकीकृत हेलीपोर्ट" का निर्माण किया है। यात्री टर्मिनल, एयर ट्रैफिक कंट्रोल, एफएटीओ, पार्किंग बे और एमआरओ सेवाओं के साथ हैंगर जैसी सुविधाओं से युक्त यह हेलीपोर्ट 100 करोड़ की लागत से निर्मित हुआ है और इस हेलीपोर्ट के माध्यम से यात्रियों को हेलीकॉप्टर परिवहन से जुड़ी समस्त सेवाएं एक स्थान पर उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, पवन हंस ने "हवाई अड्डा हब" की अवधारणा के साथ देश के अन्य भागों में और अधिक "हेली-हब" विकसित करने की योजना बनाई है और रोहिणी हेलीपोर्ट इस श्रृंखला में पहला कदम है।

ये हेली-हब हेलीकॉप्टर व्यवसाय के लिए एकल बिंदु समाधान केंद्र होंगे और सामान्य यात्रियों के लिए हेलीपोर्ट के रूप में कार्य करेगा वहीं हेलीकाप्टर के रखरखाव के लिए एमआरओ सुविधाओं, पायलट, एएमई और तकनीशियनों के प्रशिक्षण के लिए कौशल विकास केंद्र और राष्ट्रीय महत्व के केंद्र के रूप में अपनी भूमिका संपन्न करेंगे।

रोहिणी, दिल्ली में "राष्ट्र के पहले एकीकृत हेलीपोर्ट" के निर्माण और परिचालन जैसी शानदार उपलब्धि के लिए पवन हंस की टीम को मिले इस सम्मान के लिए हमें यकीन है कि यह टीम राष्ट्र की बुनियादी विकास के लिए अपना योगदान जारी रखेगी और आगामी वर्षों में कई और मील के पत्थरों को हासिल करेगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय 1916 2016 जन्म शताब्दी वर्ष

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

आने वाले कल को सुधारने के लिए बीते हुए कल से शिक्षा लीजिए।

राजभाषा विशेष

मोबाइल फोन में हिंदी का प्रयोग

एंड्रॉयड फोन

Android based मोबाइल तथा टैबलेट में अनुवाद सॉफ्टवेयर

• Play Store में जाकर Google Translate डाउनलोड करके इंस्टाल करें

• इससे आप अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद कर सकते हैं तथा अंग्रेजी में प्राप्त SMS को हिंदी में भी पढ़ सकते हैं

• JPG Format picture में यदि कोई अंग्रेजी टैक्सट हो तो उसे Capture करके हिंदी अनुवाद कर सकते हैं

• किसी अंग्रेजी में छपे हुए टैक्सट को text में कनवर्ट करके हिंदी में अनुवाद कर सकते हैं

Google Docs पर कार्य करना

• Play Store से Google Docs डाउनलोड करके इंस्टाल करें । मोबाइल फोन में Google Docs पर कार्य तथा कंप्यूटर में एक की गूगल account होने पर Google Docs में फाइलें एक समान ही रहेंगी । फाइलों पर कार्य आप मोबाइल तथा कंप्यूटर पर आसानी से कर सकेंगे ।

मोबाइल फोन पर हिंदी टाइपिंग के लिए

1. Play Store में जाकर Google Indic Keyboard डाउनलोड करके इंस्टाल करें

2. Setting >> Language and Input में जाकर Keyboard & Input Method में से Current Keyboard or Default Keyboard में से English & Indic Languages Google Indic Keyboard को चुनें

Google Voice Typing Setting

1. Setting >> Language and Input Option में से Google Voice Typing विकल्प का चयन करें

2. Voice के अंतर्गत Language: हिंदी (भारत) का चयन करें । **एक समय पर एक ही भाषा का चयन कर सकते हैं**

3. Offline Speech Recognition का भी चयन करें All पर क्लिक करके हिंदी (भारत) को Download करें

यदि मोबाइल फोन में Android 7.0 OS है तो Setting >> Language and Input >> Virtual Keyboard के अंतर्गत Google Voice Typing विकल्प को चुनें

4. जब भी टाइप करना हो की-बार्ड पर उपलब्ध माइक्रोफोन के बटन पर क्लिक करें और सामान्य गति और वोल्यूम से स्पष्ट रूप से अपना पाठ बोलें , इससे आप SMS, WhatsApp, E-mail, Google Docs आदि पर वाइस टाइपिंग कर सकेंगे

Play Store से हिंदी Hindi Free Apps

Play Store से Hindi Grammar, Hindi Alphabet, English-Hindi Dictionary, Learn Hindi Speak, Hindi Keyboard, Learn Hindi Step by Step, Muhavare: Hindi Idioms डाउनलोड कर सकते हैं

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

चाहे हज़ार बार नाकामयाबी हो, कड़ी मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ लगे रहोगे तो अवश्य सफलता तुम्हारी है।

राजभाषा विशेष

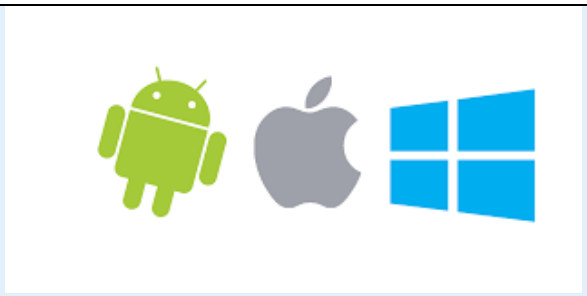

विंडोज फ़ोन

Windows based मोबाइल तथा टैबलेट में अनुवाद सॉफ्टवेयर

• Apps Store में जाकर Google Translate डाउनलोड करके इंस्टाल करें

• इससे आप अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद कर सकते हैं तथा अंग्रेजी में प्राप्त SMS को हिंदी में भी पढ़ सकते हैं

• JPG Format picture में यदि कोई अंग्रेजी टैक्सट हो तो उसे Capture करके हिंदी अनुवाद कर सकते हैं

• किसी अंग्रेजी में छपे हुए टैक्सट को text में कनवर्ट करके हिंदी में अनुवाद कर सकते हैं

Google Docs पर कार्य करना

• Apps Store से Google Docs डाउनलोड करके इंस्टाल करें । मोबाइल फोन में Google Docs पर कार्य तथा कंप्यूटर में एक की गूगल account होने पर Google Docs में फाइलें एक समान ही रहेंगी । फाइलों पर कार्य आप मोबाइल तथा कंप्यूटर पर आसानी से कर सकेंगे ।

मोबाइल फोन पर टाइपिंग के लिए

1. http://bhashaindia.com/pages/windows10.aspx में जाकर Phonetic Keyboard डाउनलोड करके इंस्टाल करें

Apps Store से Hindi Grammar, Hindi Alphabet, English-Hindi Dictionary, Learn Hindi Speak, Hindi Keyboard, Learn Hindi Step by Step, Muhavare: Hindi Idioms डाउनलोड कर सकते हैं

आईओएस iPhone/iPad

1. Android based मोबाइल तथा टैबलेट में अनुवाद सॉफ्टवेयर

• Play Store में जाकर Google Translate डाउनलोड करके इंस्टाल करें

• इससे आप अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद कर सकते हैं तथा अंग्रेजी में प्राप्त SMS को हिंदी में भी पढ़ सकते हैं

• JPG Format picture में यदि कोई अंग्रेजी टैक्सट हो तो उसे Capture करके हिंदी अनुवाद कर सकते हैं

• किसी अंग्रेजी में छपे हुए टैक्सट को text में कनवर्ट करके हिंदी में अनुवाद कर सकते हैं

2. How to Type in Hindi easily with Transliteration Keyboard in iPhone / iPad

• Go to **Settings** App
• Under Settings Select **General**
• Tap on **Keybaord** in General Settings
• Select **Add New Keyboard**… under Keyboards
• Select **Hindi** in Add New Keyboard…
• Under Hindi a new Keyboard **Transliteration** is added. Select it
• Tap on **Done** at top right corner

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

कठिनाइयाँ मनुष्य के पुरुषार्थ को जगाने आती हैं।

पवन हंस लिमिटेड में स्वच्छ भारत अभियान

पवन हंस लिमिटेड एक जिम्मेदार सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के रूप में भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमो6 के कार्यान्वयन में अपना हरसंभव योगदान प्रस्तुत करता है। वर्तमान में भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान "स्वच्छ भारत अभियान" के माध्यम से देशभर में स्वच्छता के लिए समग्र प्रयासों की एक समन्वित कड़ी के रूप में देश भर में विभिन्न गतिविधियाँ जन आंदोलन के रूप में चलाई जा रही हैं। पवन हंस लिमिटेड के प्रधान कार्यालय सहित समस्त क्षेत्रीय व बेस कार्यालयों के माध्यम से विगत छमाही के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पवन हंस ने राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान प्रस्तुत किया है।

पवन हंस द्वारा संचालित गतिविधियों में स्वच्छता शपथ, निबंध लेखन प्रतियोगिता, हेलिबेस और हेलीपोर्ट में सफाई अभियान स्लोगन लेखन व विद्यालयों के लिए विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों के साथ-साथ साइट पर तैनात कर्मचारियों व ठेकेदार द्वारा उपलब्ध कराए गए हाउसकीपिंग सर्विस स्टाफ के लिए कार्यशाला व लेखन प्रतियोगिता के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पवन हंस के प्रधान कार्यालय और इसके अन्य कार्यालयों के लिए "मानव जीवन में स्वच्छता का महत्व" पर संगोष्ठी प्रमुख है।

एक झलक के रूप में प्रधान कार्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ।

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

पसंदीदा कार्य हमेशा सफलता, शांति और आनंद ही देता है।

अपना पवन हंस

इस ई-पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार संबंधित लेखकों के हैं। मौलिकता एवं अन्य किसी विवाद के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे। संपादक मंडल / पवन हंस लिमिटेड से इसकी सहमति होना आवश्यक नही हैं।

नि:शुल्क एवं केवल आंतरिक वितरण के लिए ।

संपादकीय पता :
पवन हंस लिमिटेड, प्रधान कार्यालय, सी-14, सैक्टर-1, नोएडा-201301 (उत्तर प्रदेश),
दूरभाष संख्या 0120-2476734,
फैक्स-0120-2476978,
ई-मेल:rajbhasha.ol@pawanhans.co.in

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

पवन हंस लिमिटेड

प्रधान कार्यालय, सी-14, सेक्टर-1, नोएडा 201301